The Institute of Chartered Financial Analysts of India University, Jharkhand

Press Release

रांची
25/**06/2020**

इकफ़ाई विश्वविद्यालय द्वारा "कोविद-19 के समय साइबर सुरक्षा चुनौतियों पर वेबिनार का आयोजन

(सुश्री सिमी देब, साइबर सुरक्षा रणनीति के यूरोपीय प्रमुख, आईबीएम, लंदन प्रमुख पैनलिस्ट)

आज, इकफ़ाई विश्वविद्यालय, झारखंड द्वारा "कोविद-19 के समय के दौरान साइबर सुरक्षा चुनौतियों का प्रबंधन कैसे करें" पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार के *प्रमुख पैनलिस्ट* सुश्री सिमी देब, यूरोपीय सुरक्षा रणनीति प्रमुख, आईबीएम, लंदन थी जिनको बैंकिंग, वित्तीय सेवा, बीमा, खुदरा, दूरसंचार, जैसे विभिन्न क्षेत्रों के लिए साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में रणनीतिक सलाहकार सेवाएं प्रदान करने में 16 वर्षों का अनुभव है। चर्चा का संचालन इकफ़ाई विश्वविद्यालय, झारखंड के कुलपति प्रो ओ आर एस राव द्वारा किया गया।

इस वेबिनार मे कोविद-19 के कारण लोगों की जीवन शैली में आए बदलाव, व्यक्तियों और उद्योग के लिए साइबर सुरक्षा की चुनौतियां, सुरक्षा चुनौतियों का समाधान कैसे किया जाए, नए स्नातकों एवं अनुभवी पेशेवरों के कैरियर के अवसर और विकास की संभावनाओं जैसे पहलुओं को कवर करते हुए चर्चा किया गया।
वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा का उपयोग करके भारत भर से बहुत सारे छात्रों और संकाय सदस्यों और उद्योग के पेशेवरों ने सक्रिय रूप से चर्चा में भाग लिया। जो भाग नहीं ले सके, आप ट्यूब पर चर्चा देख सकते हैं (https://youtu.be/zg5tDgVU2f8)

चर्चा मे सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए, इकफ़ाई विश्वविद्यालय, झारखंड के कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा, की "यह साइबर सुरक्षा के संबंध में हमारे छात्रों के बीच उद्योग-जागरूकता का निर्माण करने की हमारी "चरचा-मंच" पहल का एक हिस्सा है, जो हमारे दिन-प्रतिदिन के जीवन के दोनों व्यक्तिगत रूप से और पेशेवर रूप से प्रभावित कर रहा है"। यह और भी महत्वपूर्ण है की, भारतीय नागरिकों पर संभावित बड़े पैमाने पर मुफ्त कोबीड से संबंधित विषयों के साथ नकली ई-मेल पते का उपयोग करते हुए कोविद-19 सेवाएं के लिए फ़िशिंग ई-मेल हमले किया जा रहा है इसी पर भारत सरकार की "सर्टिफ़िकेट-इन द्वारा" हाल ही में अलर्ट पर जारी किया गया है।

सुश्री सिमी देब ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा, की "विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार, कोविद-19 के दौरान, साइबर खतरों में 300% वृद्धि हुई, फ़िशिंग हमलों में 600% की वृद्धि और रैनसमवेयर हमलों में 25% की वृद्धि हुई है। चूंकि लोग डिजिटल जाने के लिए मजबूर हैं, और साइबर अपराधी स्थिति का फायदा उठा रहे हैं तथा साइबर हमलों को बढ़ा रहे हैं। सुश्री देब ने यूरोप से केस स्टडी का उपयोग करके आवश्यक सेवा क्षेत्रों जैसे पावर, हेल्थकेयर, बैंकिंग आदि पर साइबर हमलों के प्रभाव को समझाया।

सुश्री देब ने साइबर हमलों को रोकने के लिए कई सुझाव दिए, जिसमें ई-मेल के स्रोत की विश्वसनीयता की जांच करना, वेबसाइटों के लिए सुरक्षा प्रमाण पत्र की तलाश करना आदि शामिल हैं क्योकि कि मौजूदा माहौल काफी समय तक जारी रह सकता है, ऐसे में अधिक जागरूकता पैदा करने और सावधानी बरतने की जरूरत है। कॉरपोरेट्स द्वारा किए जाने वाले उपायों का उल्लेख करते हुए, सुश्री देब ने साइबर सुरक्षा और जोखिम प्रबंधन नीतियों के निर्माण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

साइबर सुरक्षा क्षेत्र में कैरियर के अवसरों का जिक्र करते हुए, सुश्री देब ने इस बात पर प्रकाश डाला कि साइबर सुरक्षा पर कॉरपोरेट्स द्वारा खर्च करने से बड़े पैमाने पर विकास होगा, इस क्षेत्र में कौशल की भारी कमी है। कैरियर के अवसर न केवल तकनीकी भूमिकाओं के लिए, बल्कि जोखिम प्रबंधन, अनुपालन और लेखा परीक्षा जैसे क्षेत्रों में भी गैर-तकनीकी भूमिकाएँ मौजूद हैं, जिसमे वाणिज्य, प्रबंधन और कानून के स्नातकों के लिए भी है। उन्होंने एथिकल हैकिंग जैसे क्षेत्रों में घर से काम करने और परामर्श देने के अवसरों पर भी प्रकाश डाला।

======